ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर – 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com

Øekd ,Q@,xk@,xkeV-@25 fnukd **28.10.2025**
ftyk& chdkuj

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 28 अक्टूबर 2025 से 01 नवंबर 2025 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः इस दौरान अधिकतम तापमान 28.4 से 37.3 °C एवं न्यूनतम तापमान 14.8 से 23.0 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 60 से 95% रही।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5दिनों के दौरान (28.10.2025 से 01.11.2025) 28.10.2025 से 01.11.2025 तक स्वच्छ आकाश छाए रहने, न्यूनतम तापमान 17.0-18.0°C और अधिकतम तापमान 34.0-36.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तरी पूर्वी, पूर्वी उत्तरी पूर्वी और पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी दिशा से तेज गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	28.10.2025	29.10.2025	30.10.2025	31.10.2025	01.11.2025
वर्षा) एम.एम. (	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आसमान में बादलो की स्थिति	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश
अधिकतम तापमान º C)	**34**	**35**	**35**	**35**	**36**
न्यूनतम तापमान (º C)	**18**	**18**	**18**	**18**	**17**
वायु दिशा	पूर्वी उत्तरी पूर्वी	पूर्वी उत्तरी पूर्वी	उत्तरी पूर्वी	पूर्वी उत्तरी पूर्वी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**19**	**15**	**13**	**14**	**12**
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	**53**	**30**	**23**	**22**	**24**
औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**11**	**11**	**7**	**5**	**4**
वर्षा) एम.एम. (	**00.00**				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्तक के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है।

विशेष सलाह	बादलों के मौसम के दौरान पत्तियों पर रसायनों का छिड़काव न करें। पानी की एक-एक बूँद बचाएँ। फसलों और बागों में कीटों और बीमारियों के संक्रमण का पता लगाने के लिए नियमित रूप से खेतों की निगरानी करें।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
मूंगफली	परिपक्वता	सिंचाई	मूंगफली की फसल में फली विकास एवं परिपक्वता अवस्था पर आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई करें।
मूंग/बाजरा/ग्वार	परिपक्वता	फसल कटाई	मूंग/बाजरा/ग्वार की फसल को कर्यिकी परिपक्वता पर काटें। कटी हुई फसल को वर्षा से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखे।
चना/तारामीरा /सरसों	बुआई की तैयारी	बुआई का समय, बीज दर, बीजोपचार एवं किस्में	चना, तारामीरा अथवा सरसों की बुआई का उचित समय, एक बीघे भूमि क्षेत्र में चने का 15-20 किलोग्राम बीज तथा तारामीरा एवं सरसों का 1-1 किलोग्राम बीज प्रयोग करें। बुआई से पहले चने के बीज को 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम/किलो बीज और सरसों के बीज को 5 ग्राम एप्रोन 35 एसडी/किग्रा बीज को उपचारित करें। जोन 1 सी के लिए देसी चना की जी. एन. जी. 2144, जी. एन. जी. 1958, जी. एन. जी. 1581, जी. एन. जी. 1488 एवं काबुली चना की जी. एन. जी. 1969, जी. एन. जी. 1499 एवं सरसों की गिरिराज, आर. जी. एन. 73, आर. जी. एन. 229, आर. एच. 749, आर. जी. एन. 48, आर. एच. 119 तथा तारामीरा की आर. टी. एम. 314, आर. टी. एम. 2002 उन्नत किस्मों का चुनाव करें।
उद्यानिकी		सिंचाई एवं छिड़काव	खजूर, किन्नू, संतरे और नींबू के बगीचों में नियमित अंतराल पर सिंचाई करें। बेर में फल मक्खी के हमले को नियंत्रित करने के लिए बेर के फलों की मटर अवस्था में फेनवेलरेट/डाइमेथोएट @ 1 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें।
		नर्सरी तैयार	टमाटर एवं बैंगन की नर्सरी तैयार करें। फूलगोभी की अगेती किस्मों तथा पत्तागोभी की पछेती किस्मों की रोपाई करें।
		बुआई	मूली, गाजर, धनिया, पालक आदि की बुवाई के लिए समय उपयुक्त है।
चारा प्रबंधन		बुआई	बरसीम की पहली कटाई से अधिक चारा उत्पादन प्राप्त करने के लिए बुआई के समय चाइनीज कैबेज या जई का बीज मिला दें।
पशुधन		खाद्य प्रबंधन	पंजीकृत पशु चिकित्सक की सलाह से प्रोटीन युक्त, उच्च पोषण वाली यूरिया – मोलसेज ईंटों का निर्माण करके पशुओं को खिलाएँ।
		स्वास्थ्य प्रबंधन	पशुओं (बछड़े और गैर गर्भवती स्तनपान कराने वाली गायों) को एंडो परजीवियों के खिलाफ कृमिनाशक दवा दें। स्वास्थ्य बनाए रखने और दूध बुखार और प्रोलैप्स जैसी समस्याओं से बचने के लिए प्रत्येक दुधारू पशु को उसके शरीर के वजन के अनुसार 20 से 50 ग्राम खनिज मिश्रण खिलाएं। घरेलू/ दुधारू पशुओं को लम्पी से गृषित आवारा पशुओं से दुर रखे। अलगाव के साथ स्वच्छता व बेहतर पोषण लम्पी प्रबंधन के लिए अच्छी नीति है।

सह–आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर – ग्रामीण कृषि मौसम सेवा